NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

PUNJAB KESARI, Delhi, 3.7.2023
Page No. 2, Size:(7.96)cms X (8.82)cms.

गुजरात में बुलेट ट्रेन के लिए एक महीने में बने 3 नदी पुल

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर: पहला पुल पूर्णा नदी पर, दूसरा मिन्धोला नदी पर और तीसरा पुल अंबिका नदी पर बनाया गया

अहमदाबाद, (पंजाब केसरी): बुलेट ट्रेन परियोजना के नाम से मशहूर मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) का काम देख रहे अधिकारियों का कहना है कि कार्य तेजी से चल रहा है और उन्होंने गुजरात में एक महीने में तीन नदी पुलों का निर्माण किए जाने की जानकारी दी।

हाई स्पीड कोरिडोर का निर्माण कर रहे राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों का कहना है कि पिछले छह महीने में 24 पुलों में से चार का निर्माण किया जा चुका है। एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इन चार में से तीन पुलों का निर्माण एक महीने में नवसारी जिले में किया गया है, जो कि हाई स्पीड रूट पर बिलिमोरा और सूरत स्टेशन के बीच स्थित है। बता दें कि इस कॉरिडोर पर 24 नदी पुल हैं, जिसमें से 20 गुजरात और बाकी बचे हुए 4 पुल महाराष्ट्र में हैं। भारतीय रेलवे की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएचएसआरसीएल का कहना है कि पहला पुल पूर्णा नदी पर, दूसरा मिन्धोला नदी पर और तीसरा पुल अंबिका नदी पर बनाया गया है। एमएएचएसआर कॉरिडोर ने काफी प्रगति की है क्योंकि पिछले एक महीने में तीन नदी पुल बनकर तैयार हो चुके हैं।

गुजरात में सबसे लंबा नदी पुल 1.2 किलोमीटर का है और इसे नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है। वहीं इस गलियारे का सबसे लंबा नदी पुल महाराष्ट्र में 2.28 किलोमीटर का है, जिसे वैतरणा नदी पर बनाया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद का कहना है कि नदियों पर पुलों के निर्माण के लिए कुशल योजना की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि मिन्धोला और पूर्णा नदी पर पुलों के निर्माण के दौरान अरब सागर की लहरों पर करीब से नजर रखी गई थी। उन्होंने बताया कि अंबिका नदी पर पुल के निर्माण के लिए हमारे इंजीनियरों ने 26 मीटर की ऊंचाई से काम किया।

एनएचएसआरसीएल का कहना है कि पूर्णा नदी पर बना पुल 360 मीटर लंबा है और इसके निर्माण के दौरान अरब सागर में उच्च और निम्न ज्वार पर लगातार निगरानी की जरूरत थी।

HINDUSTAN, Delhi, 3.7.2023
Page No. 6, Size:(8.41)cms X (3.86)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना: एक माह में बने तीन नदी पुल

अहमदाबाद। बुलेट ट्रेन परियोजना के नाम से मशहूर मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) का काम देख रहे अधिकारियों का कहना है कि कार्य तेजी से चल रहा है। गुजरात में एक महीने में तीन नदी पुलों का निर्माण किया जा गया। पिछले छह महीने में 24 पुलों में से चार का निर्माण किया जा चुका है। इन चार में से तीन का निर्माण एक महीने में नवसारी जिले में किया गया है, जो कि हाई स्पीड रूट पर बिलिमोरा और सूरत स्टेशन के बीच स्थित है।

FINANCIAL EXPRESS, Delhi, 3.7.2023
Page No. 4, Size:(2.99)cms X (4.13)cms.

Bullet train: 3 bridges built in one month

OFFICIALS OVERSEEING THE Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor, popularly called the bullet train project, said work was progressing swiftly and cited the construction of three river bridges in one month in Gujarat.
Four out of the 24 bridges have been built in the past six months.

PTI

FINANCIAL EXPRESS
READ TO LEAD

PIONEER, Delhi, 3.7.2023
Page No. 4, Size:(8.59)cms X (26.48)cms.

Bullet train project: 3 river bridges built in 1 month in Guj

PIONEER NEWS SERVICE
NEW DELHI/AHEMDABAD

Making a significant progress, the National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) has constructed three river bridges in a period of one month for the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail (MAHSR), also known as the bullet train project.

In a statement issued on Sunday, the NHSRCL said that all these bridges are in Gujarat and are located between Bilimora and Surat stations of the bullet train.

The first river bridge was completed on Purna river in Navsari district. The 360-m-long bridge consists of nine full span girders. Continuous monitoring of high and low tides from Arabian Sea was done during the construction. The foundation work was challenging as water level in the river would rise 5-6 m during high tides, it added.

The second river bridge was completed on Mindhola river, also in Navsari district. It is 240-m-long and has six full span girders.

The third river bridge was completed on Ambika river, again in Navsari district.

This 200-m-long bridge has five full span girders. The construction of the third bridge was a challenging task as there was a steep slope of the river bank and underground rocky strata during piling, the NHSRCL said.

In total, there will be 24 river bridges on the MAHSR corridor in Gujarat and Maharashtra, of which 20 are in Gujarat and four are in Maharashtra. So far, four river bridges have been completed for the MAHSR corridor in the past six months.

The longest river bridge (2.28km) will be constructed on Vaitarna river in Maharashtra, another 1.2-km-long bridge is being constructed on Narmada river, Gujarat.

In the statement, Rajendra Prasad, Managing Director, NHSRCL said that construction of bridges over the rivers is very challenging and meticulous planning is required.

During the construction of bridges over Mindhola and Purna rivers, the tides from the Arabian sea were closely monitored.

"Our engineers worked at a height of 26 m for the construction of the bridge over Ambika river," he said.

High-speed trains on Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor will operate at a speed of 320 km/hour covering a distance of 508 km and 12 stations.

There will be 35 trains per day in one direction, with a frequency of 20 minutes in peak hours and 30 minutes in non-peak hours.

The total length of the bullet train corridor is divided into three states/UTs - 156 km in Maharashtra, 4 km in Dadra and Nagar Haveli and 384 km in Gujarat.

The work on the country's first bullet train started in September 2017 in Ahmedabad, Gujarat. Prime Minister Narendra Modi and former Japanese Prime Minister late Shinzo Abe jointly laid the foundation stone for the project.

NAV-BHARAT, Mumbai, 3.7.2023
Page No. 3, Size:(10.77)cms X (7.37)cms.

बुलेट ट्रेन : 1 माह में बने 3 ब्रिज

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का काम फास्ट फारवर्ड मोड पर

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. अहमदाबाद से मुंबई तक चलने वाले देश के पहले बुलेट ट्रेन के कॉरिडोर का निर्माण कितनी तेज गति से हो रहा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसे बनाने वाली कंपनी एनएचएसआरसीएल ने पिछले एक महीने में 3 नदी पुलों का निर्माण कर डाला है. इससे मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के नियत समय पर पूरा होने की आस जगी है. एक बयान जारी कर एनएचएसआरसीएल ने बताया कि पिछले 6 महीनों में कॉरिडोर के लिए 4 नदी पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है. गौरतलब है कि बुलेट ट्रेन गलियारे की कुल लंबाई 508 किमी है, जिसमें महाराष्ट्र में 156 किमी, दादरा और नगर हवेली में 4 किमी और गुजरात में 384 किमी है. इस पूरे कॉरिडोर पर कुल 24 नदी पुल हैं, जिनमें से 20 गुजरात और 4 महाराष्ट्र में हैं. गुजरात में 1.2 किमी का सबसे लंबा नदी पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है और महाराष्ट्र में 2.28 किमी का सबसे लंबा पुल, वैतरणा नदी पर बनाया जाएगा.

06 महीनों में कॉरिडोर के लिए 4 नदी पुल | **24** नदी पुल हैं पूरे कॉरिडोर पर

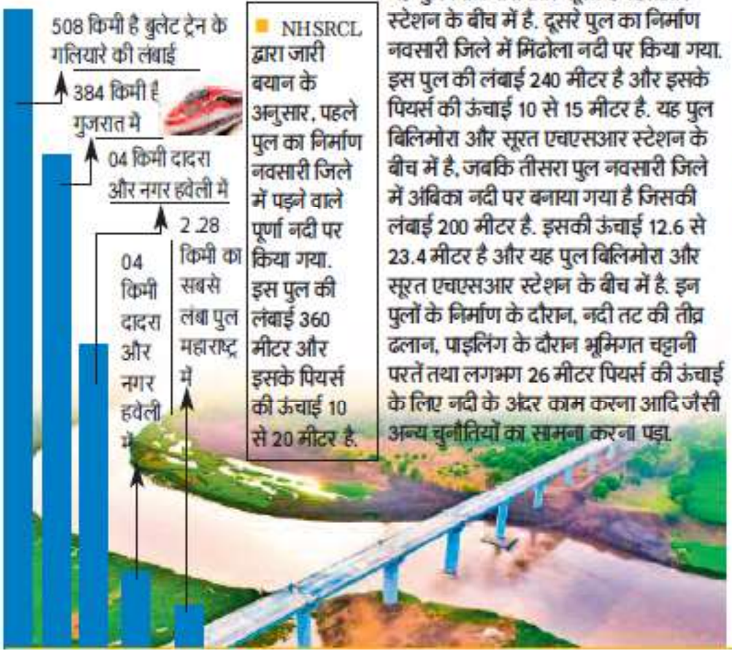

■ NHSRCL द्वारा जारी बयान के अनुसार, पहले पुल का निर्माण नवसारी जिले में पड़ने वाले पूर्णा नदी पर किया गया. इस पुल की लंबाई 360 मीटर और इसके पियर्स की ऊंचाई 10 से 20 मीटर है.

3 नदी, 3 पुल

यह पुल बिलिमोरा और सूरत एचएसआर स्टेशन के बीच में है. दूसरे पुल का निर्माण नवसारी जिले में मिंढोला नदी पर किया गया. इस पुल की लंबाई 240 मीटर है और इसके पियर्स की ऊंचाई 10 से 15 मीटर है. यह पुल बिलिमोरा और सूरत एचएसआर स्टेशन के बीच में है, जबकि तीसरा पुल नवसारी जिले में अंबिका नदी पर बनाया गया है जिसकी लंबाई 200 मीटर है. इसकी ऊंचाई 12.6 से 23.4 मीटर है और यह पुल बिलिमोरा और सूरत एचएसआर स्टेशन के बीच में है. इन पुलों के निर्माण के दौरान, नदी तट की तीव्र ढलान, पाइलिंग के दौरान भूमिगत चट्टानी परतें तथा लगभग 26 मीटर पियर्स की ऊंचाई के लिए नदी के अंदर काम करना आदि जैसी अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ा.

नदियों पर पुल बनाना चुनौतीपूर्ण काम

नदियों पर पुलों का निर्माण बहुत ही चुनौतीपूर्ण है और इसके लिए सूक्ष्म योजना की आवश्यकता होती है. मिंढोला और पूर्णा नदियों पर पुलों के निर्माण के दौरान, अरब सागर से आने वाली टाइड की लहरों के प्रवाह पर विशेष ध्यान रखा गया. हमारे इंजीनियरों द्वारा अंबिका नदी पर, पुल निर्माण के लिए लगभग 26 मीटर की ऊंचाई पर काम किया गया.

- राजेंद्र प्रसाद, MD- NHSRCL

कितना काम हुआ

प्रवक्ता ने बताया कि अब तक 305.9 किमी रूट की पाइलिंग और 251.2 किमी का फाउंडेशन तैयार हो चुका है. 208.9 किमी का पियर और 69.3 किमी का वायाडक्ट तैयार हो चुका है. गुजरात में पड़ने वाले 8 स्टेशनों पर काम निर्माण के विभिन्न चरणों में है. अब इसकी डेडलाइन 2027 कर दी गई है.

RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 3.7.2023
Page No. 11, Size:(2.37)cms X (5.81)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना में एक महीने में तीन नदी पर पुलों का निर्माण

नई दिल्ली (एसएनबी)। बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत एनएचएसआरसीएल ने मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर के लिए एक महीने में तीन नदी पुलों का निर्माण किया है। यह तीनों पुल गुजरात में पूर्णा, मिंधोला और अंबिका नदी पर नवसारी जिले में किया गया।

एनएचएसआरसीएल गत छह महीनों में कॉरिडोर के लिए चार नदी पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है। गुजरात और महाराष्ट्र पर कुल 24 नदी पुल हैं, जिनमें से 20 गुजरात और 04 महाराष्ट्र में है। गुजरात में 1.2 किलोमीटर का सबसे लंबा नदी पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है और महाराष्ट्र में 2.28 किलोमीटर का सबसे लंबा पुल वैतरणा नदी पर बनाया जाएगा। एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि नदियों पर पुलों का निर्माण बहुत ही चुनौतीपूर्ण है और इसके लिए सूक्ष्म योजना की आवश्यकता होती है। मिंधोला और पूर्णा नदियों पर पुलों के निर्माण के दौरान अरब सागर से आने वाली टाइडल लहरों के प्रवाह पर विशेष ध्यान रखा गया।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 3.7.2023

Page No. 4, Size:(9.18)cms X (11.62)cms.

Mumbai-Ahmedabad bullet train: 4th river bridge ready

NHSRCL official says several hurdles were encountered during the construction process; three bridges were completed in June

KAMAL MISHRA / MUMBAI

The construction of the fourth river bridge along the Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor in Gujarat has been successfully completed.

"The recent completion of the bridge over the Ambika river in Navsari district, measuring 200 meters in length, marks another significant step forward. This bridge comprises five full-span girders, each spanning 40 meters, with piers ranging in height from 12.6 to 23.4 meters. The circular piers have diameters of 4 meters, 5 meters, and 5.5 meters," said an official.

The maximum height of the piers, including the pier cap, reached approximately 26 meters, equivalent to a ten-story building. "Working at such heights within the river presented a formidable challenge for the construction team," the official said.

She said several hurdles were encountered during the construction process, including the steep slope of the river bank and the presence of underground rocky strata during piling. Overcoming these challenges required meticulous planning and the expertise of the project engineers.

The construction of the four bridges was completed by the National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) in six months. Three of them were completed in June.

The corridor, encompassing both Gujarat and Maharashtra, will feature a total of 24 river bridges, with 20 in Gujarat and four in Maharashtra.

According to the NHSRCL, the Narmada River bridge, currently under construction, will be the longest among the river bridges in Gujarat, spanning 1.2 kilometres. In Maharashtra, a 2.28-kilometre bridge is being constructed across the Vaitarna River.

In addition to this progress, work on eight high-speed rail stations is underway in Gujarat. These stations, including Vapi, Bilimora, Surat, Bharuch, Vadodara, Anand, Ahmedabad, and Sabarmati, are at various stages of completion. Rail level slabs and concourse level slabs have been completed for Surat and Anand stations, while work has commenced on the station in Ahmedabad, with a rail level slab measuring 137 meters.

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 3.7.2023
Page No. 6, Size:(15.20)cms X (25.98)cms.

NHSRCL constructs 3 bridges in June for Mum-A'bad High Speed Rail Corridor

MAHSR corridor has made a significant progress as three river bridges have been completed in last one month in the state of Gujarat. The first river bridge was completed on Purna river, Navsari district.

Salient features of bridge: Length of the bridge is 360 meters Consists of 09 (nine) Full Span Girders (40m each). Height of Piers – 10 m to 20 m. Circular Piers of 4 m & 5 m diameter. The bridge is in between Bilimora and Surat HSR station. Continuous monitoring of high and low tides from Arabian Sea was done during the construction. Foundation work was challenging as water level in the river was rising 5-6 m (fortnightly) during high tides.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.
TIMES OF INDIA, Ahmedabad, 3.7.2023
Page No. 5, Size:(11.19)cms X (14.39)cms.

Three bridges for bullet train completed in June

TIMES NEWS NETWORK

Surat: The National High Speed Rail Corporation Ltd (NHSRCL), a wholly owned subsidiary of the Indian Railways, expressed satisfaction over the significant progress of the bullet train project work on Mumbai-Ahmedabad high speed rail corridor.

Three bridges have been completed in June in Navsari district — over Purna, Ambika and Mindhola rivers. With this, four bridges have been completed on this part of the rail corridor.

The longest bridge is 360 metre on Purna river. This bridge will connect Billimora and Surat high speed corridor stations. The work for the foundation work for this bridge was challenging as river was rising by 5 to 6 metre during high tides.

Total, 24 bridges will come as a part of bullet train project out of which 20 will be in Gujarat while four will be in Maharashtra.

Second bridge which has come up over Mindhola river is of 240m-long while third bridge is 200m over Ambika river. Both these bridges are also part of the Billimora to Surat corridor. The bridge over Ambika river was a challenge for the engineers as there was a steep slope of the river bank as well as rocky strata during the piling work. The maximum pier height including pier cap was 26m which is equal to a 10-storey building.

Talking over progress, Rajendra Prasad, MD of NHSRCL said, "We closely monitored tidal information in Arabian sea, while constructing the bridges over Mindhola and Purna rivers. Engineers working on the bridge over Ambika river worked at a height equivalent to a 10-storey building."

The project will have total eight stations in Gujarat which include Vapi, Billimora, Surat, Bharuch, Vadodara, Anand, Ahmedabad and Sabarmati.

The longest bridge is 360 metre-long over Purna river in Navsari

Longest bridge to come over Vaitarna

The longest bridge in the Mumbai-Ahmedabad high speed rail corridor will come up over Vaitarana river in Maharastra which will be 2.28km long. The second longest bridge of 1.2km will come over state's Narmada river.

DAINIK BHASKAR, Delhi, 3.7.2023
Page No. 14, Size:(13.10)cms X (14.34)cms.

गुजरातः बुलेट ट्रेन ट्रैक निर्माण की रफ्तार तेज

नवसारी | गुजरात के अहमदाबाद से महाराष्ट्र के मुंबई तक बन रहे बुलेट ट्रेन ट्रैक का निर्माण काम तेजी से चल रहा है। गुजरात के नवसारी में अंबिका नदी पर बुलेट ट्रेन ट्रैक का पुल बनकर तैयार हो गया है। दिलचस्प बात ये है कि नवसारी में जून महीने में बुलेट परियोजना का पूर्ण हुआ यह तीसरा पुल है। इससे पहले पूर्णा नदी पर आमडपोर-मोलधरा गांव के मींढोला नदी पर और आसना गांव के पास भी बुलेट ट्रैक के पुल का निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा की गई थी। गुजरात-महाराष्ट्र के बुलेट ट्रेन ट्रैक पर 24 ब्रिज बनने हैं।

MAHARASHTRA TIMES, Mumbai, 3.7.2023
Page No. 10, Size:(11.03)cms X (7.79)cms.

Mumbai-Ahmedabad Bullet train work progressing in high speed: Bridges constructed on 3 rivers in Gujarat in a month

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे काम अतिशय वेगाने सुरू असून, गुजरातमध्ये एका महिन्यात तीन नदींवर पूल बांधण्यात आल्याचे राष्ट्रीय हायस्पीड रेल कॉरिडोरच्या (एनएचएसआरसीएल) अधिकाऱ्यांनी रविवारी नमूद केले. तसेच, या मार्गावरील एकूण २४पैकी चार पूल सहा महिन्यांत उभारण्यात आले असल्याचेही त्यांनी यावेळी सांगितले.

DIVYA BHASKAR, Ahmedabad, 3.7.2023

Page No. 2, Size:(14.22)cms X (11.63)cms.

Bullet speed train bridges over Ambika and Mindhola rivers ready

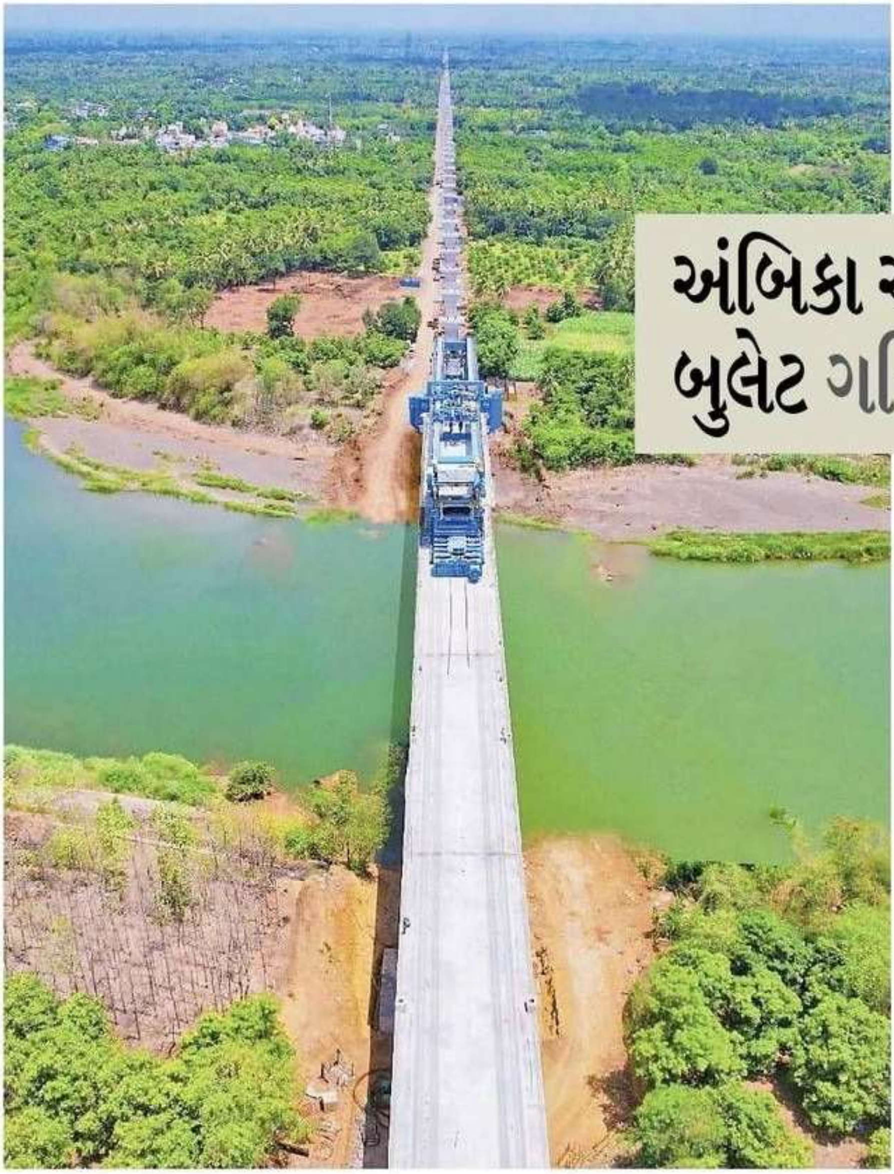

અંબિકા અને મીંઢોળા નદી ઉપર બુલેટ ગતિએ ટ્રેનના બ્રિજ તૈયાર

નવસારી જિલ્લાના 26 ગામમાંથી પસાર થનારી બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂરઝડપે ચાલી રહ્યું છે. જૂન મહિનામાં નવસારી જિલ્લામાં જ નદી પર વધુ 2 બ્રિજનું કામ પૂર્ણ થયેલ જાહેર કરાયું છે. જેમાં આસના ગામ નજીક મીંઢોળા નદી અને માણેકપોર , વેગામ ગામ નજીક અંબિકા નદી પરના બ્રીજનું કામ પૂર્ણ જાહેર કરાયું છે, એમ એક જ મહિના જિલ્લામાં 3- 3 બ્રિજનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે.

માણેકપોર નજીક અંબિકા બ્રિજ

લંબાઈ	200 મીટર
કૂલ સ્પાન ગર્ડર	5
પાયર્સ	12.6 થી 23.4 મીટર

આસણા નજીક મીંઢોળા બ્રિજ

લંબાઈ	240 મીટર
કૂલ સ્પાન ગર્ડર	6
પાયર્સ	10 થી 15 મીટર

DIVYA BHASKAR, Vadodara, 3.7.2023
Page No. 2, Size:(14.22)cms X (11.63)cms.

Bullet speed train bridges over Ambika and Mindhola rivers ready

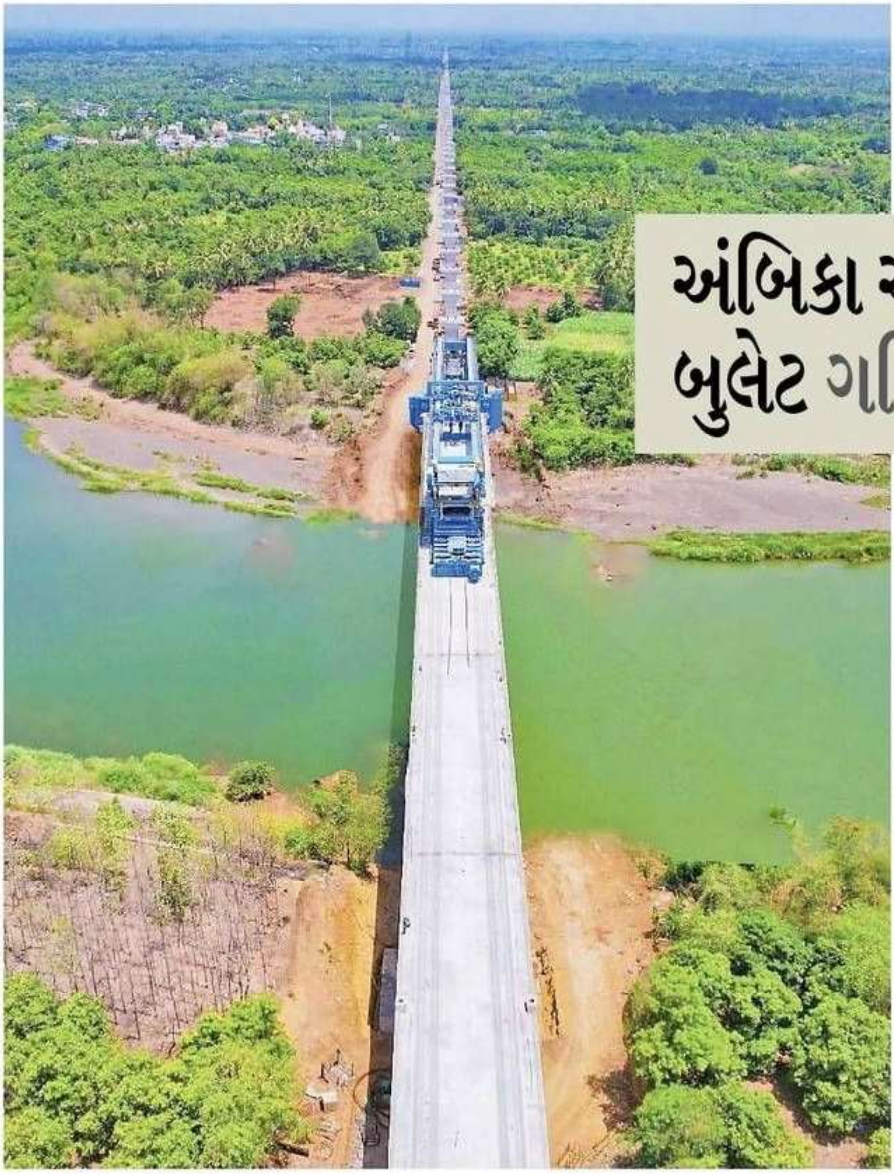

અંબિકા અને મીંઢોળા નદી ઉપર બુલેટ ગતિએ ટ્રેનના બ્રિજ તૈયાર

નવસારી જિલ્લાના 26 ગામમાંથી પસાર થનારી બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂરઝડપે ચાલી રહ્યું છે. જૂન મહિનામાં નવસારી જિલ્લામાં જ નદી પર વધુ 2 બ્રિજનું કામ પૂર્ણ થયેલ જાહેર કરાયું છે. જેમાં આસના ગામ નજીક મીંઢોળા નદી અને માણેકપોર , વેગામ ગામ નજીક અંબિકા નદી પરના બ્રીજનું કામ પૂર્ણ જાહેર કરાયું છે, એમ એક જ મહિના જિલ્લામાં 3- 3 બ્રિજનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે.

માણેકપોર નજીક અંબિકા બ્રિજ

લંબાઈ	200 મીટર
કૂલ સ્પાન ગર્ડર	5
પાયર્સ	12.6 થી 23.4 મીટર

આસણા નજીક મીંઢોળા બ્રિજ

લંબાઈ	240 મીટર
કૂલ સ્પાન ગર્ડર	6
પાયર્સ	10 થી 15 મીટર

DIVYA BHASKAR, Surat, 3.7.2023
Page No. 2, Size:(14.22)cms X (11.63)cms.

Bullet speed train bridges over Ambika and Mindhola rivers ready

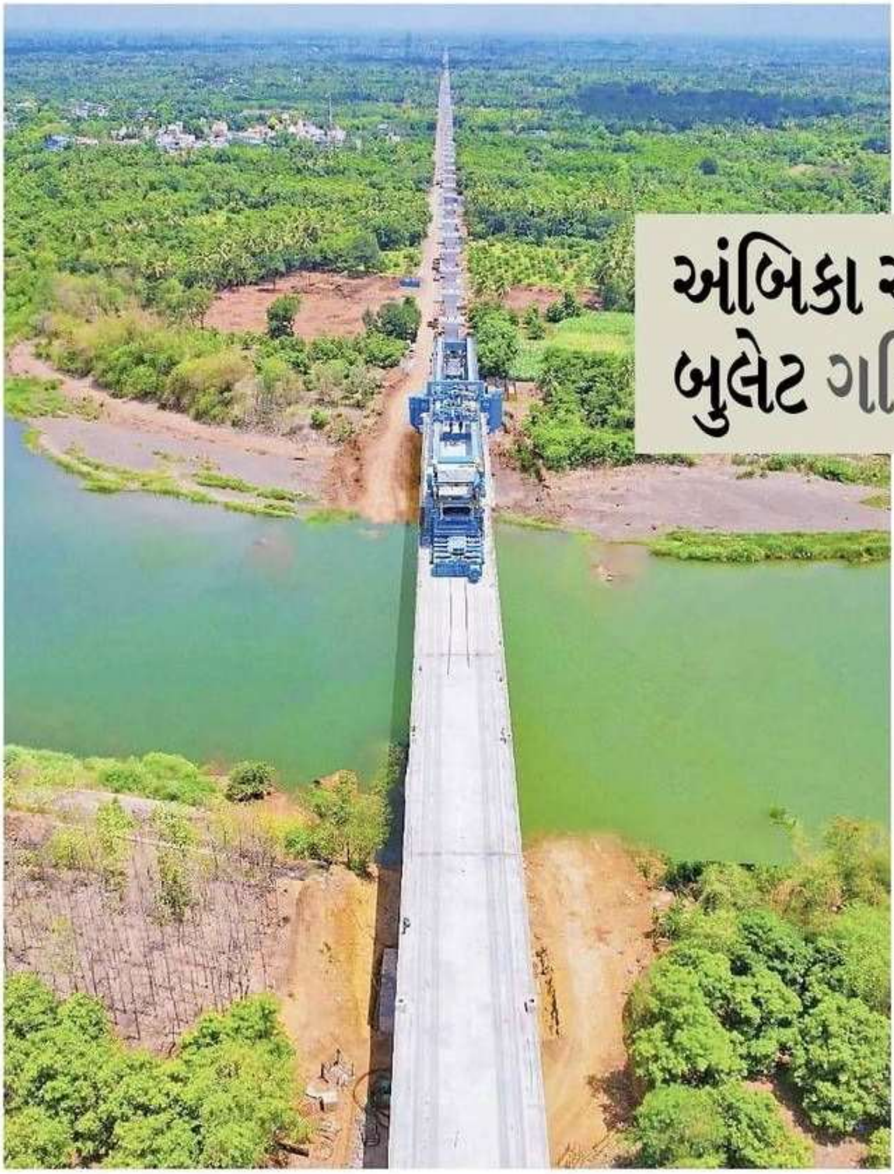

અંબિકા અને મીંઢોળા નદી ઉપર બુલેટ ગતિએ ટ્રેનના બ્રિજ તૈયાર

નવસારી જિલ્લાના 26 ગામમાંથી પસાર થનારી બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂરઝડપે ચાલી રહ્યું છે. જૂન મહિનામાં નવસારી જિલ્લામાં જ નદી પર વધુ 2 બ્રિજનું કામ પૂર્ણ થયેલ જાહેર કરાયું છે. જેમાં આસના ગામ નજીક મીંઢોળા નદી અને માણેકપોર , વેગામ ગામ નજીક અંબિકા નદી પરના બ્રીજનું કામ પૂર્ણ જાહેર કરાયું છે, એમ એક જ મહિના જિલ્લામાં 3- 3 બ્રિજનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે.

માણેકપોર નજીક અંબિકા બ્રિજ

લંબાઈ	200 મીટર
કૂલ સ્પાન ગર્ડર	5
પાયર્સ	12.6 થી 23.4 મીટર

આસણા નજીક મીંઢોળા બ્રિજ

લંબાઈ	240 મીટર
કૂલ સ્પાન ગર્ડર	6
પાયર્સ	10 થી 15 મીટર

DAINIK BHASKAR, Surat, 3.7.2023
Page No. 2, Size:(10.81)cms X (17.74)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

सूरत और बिलीमोरा के बीच एक महीने में तीन नदियों पर ब्रिज तैयार

सूरत | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर गुजरात में पिछले एक माह में तीन रीवर ब्रिज का निर्माण पूरा किया गया। यह जानकारी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने दी है। ये तीनों ब्रिज बिलिमोरा और सूरत एचएसआर स्टेशन के बीच नवसारी जिले में बनाए गए हैं।

प्रोजेक्ट की प्रगति	फाउंडेशन: 251.2 किमी	पिलर: 208.9 किमी	वायडक्ट: 69.3 किमी

पूर्णा नदी के पुल की ये है खासियत

- 360 मीटर है पूर्णा नदी के ब्रिज की लंबाई
- 9 फुल स्पान बॉक्स गर्डर्स ब्रिज में लगाए गए हैं।
- 10 से 20 मीटर है पिलर्स की ऊंचाई
- 4-5 मी. व्यास के हैं पिलर्स

अंबिका नदी के पुल की विशेषताएं

- 200 मीटर है अंबिका नदी के पुल की लंबाई
- 5 फुल स्पान गर्डर्स लगे हैं
- 12.6 से 23.4 मीटर है पिलर्स की ऊंचाई
- 4, 5 और 5.5 मीटर व्यास के गोलाकार पिलर

मिंढोला नदी के पुल की विशेषताएं

- 240 मीटर है पुल की लंबाई
- 6 फुल स्पान गर्डर्स लगे हैं
- 10-15 मीटर है पुल के पिलर्स की ऊंचाई
- 4 मीटर व्यास के गोलाकार पिलर हैं बनाए गए हैं।

AHEMDABAD MIRROR, Ahmedabad, 3.7.2023
Page No. 4, Size:(8.49)cms X (13.98)cms.

Bullet train project

Three river bridges built in one month

Four of the 24 bridges built in last six months, say NHSRCL officials

Ahmedabad Mirror Bureau
feedback@ahmedabadmirror.com
TWEETS @ahmedabadmirror

Officials overseeing the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor, popularly called the bullet train project, said work was progressing swiftly and cited the construction of three river bridges in one month in Gujarat.

Officials of the National High Speed Rail Corridor, which is constructing the high speed corridor, said four out of the 24 bridges have been built in the past six months.

"Of these four, we have managed to build three bridges, situated between Bilimora and Surat stations on the HSR route, in Navsari district in one month. There are 24 river bridges on the corridor, 20 of which are in Gujarat and the rest in Maharashtra," the NHSRCL said in a release. "The first bridge was completed on Purna river, the second on Mindhola rover and the third on Ambika river.The MAHSR corridor has made significant progress as three river bridges have been completed in the last one month," said the NHSRCL, a wholly owned subsidiary of the Indian Railways.

Bullet train will start from Sabarmati in Ahmedabad

The longest river bridge in Gujarat is 1.2 kilometres long and is being constructed on Narmada river, while the longest bridge in Maharashtra is a 2.28 kilometre one being built on Vaitarna river, the NHSRCL said. Rajendra Prasad, Managing Director, NHSRCL said meticulous planning is required for the construction of bridges over rivers. "During the construction of bridges over Mindhola and Purna rivers, the tides of the Arabian Sea were closely monitored. Our engineers worked at a height of 26 metres for the construction of a bridge over Ambika river," he said.

The bridge on Purna river is 360 meters long and required continuous monitoring of high and low tides of Arabian Sea during its construction, the NHSRCL said, adding that foundation work was challenging as water level in the river was rising five to six metres during high tides.

"For the 240-metre long bridge on Mindhola river, continuous monitoring of high and low tides from Arabian sea was done. For the third bridge of 200-metre length on Ambika river, the steep slope of the river bank posed a challenge," it said.

DIVYA BHASKAR, Navsari, 3.7.2023
Page No. 4, Size:(28.72)cms X (10.60)cms.

Bullet train bridges over Ambika and Mindhola rivers in Navsari district ready

નવસારી જિલ્લામાં અંબિકા અને મિંઢોળા નદી ઉપર બુલેટ ટ્રેનના બ્રિજ તૈયાર

ભાસ્કર ન્યૂઝ | નવસારી

નવસારી જિલ્લાના 26 ગામોમાંથી પસાર થનારી બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂરઝડપે ચાલી રહ્યું છે. જેમાં જમીન ઉપર પિલરો ઊભા કરવા સાથે જિલ્લામાંથી પસાર થનારી નદી ઉપર પણ કામ થઈ રહ્યું છે. આ દરમિયાન જૂન મહિનામાં નદી ઉપર બ્રીજનું કામ પૂર્ણ કરવામાં ખૂબ મહત્વની કામગીરી થઈ છે. થોડા દિવસ અગાઉ જ આમડપોર મોલધરા ગામ નજીક પૂર્ણા નદી ઉપર બ્રીજનું કામ પૂર્ણ થયેલ જાહેર કરાયું હતું. હવે જૂન મહિનામાં નવસારી જિલ્લામાં જ નદી ઉપર વધુ 2 બ્રીજનું કામ પૂર્ણ થયેલ જાહેર કરાયું છે. જેમાં આસના ગામ નજીક મીંઢોળા નદી ઉપર અને માણેકપોર , વેગામ ગામ નજીક અંબિકા નદી ઉપરના બ્રીજનું કામ પૂર્ણ જાહેર કરાયું છે, એમ એક જ મહિના જિલ્લામાં 3- 3 બ્રીજનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. અહીં ઉલ્લેખનીય છે કે આ પ્રોજેક્ટમાં ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્ર મળી કુલ 24 બ્રિજ નિર્માણ થનાર છે. જેમાં હાલ સુધીમાં 4 બની ગયા છે.

માણેકપોર નજીક અંબિકા બ્રિજ

લંબાઇ - 200 મીટર

ફૂલ સ્પાન ગર્ડર - 5

પાયર્સ - 12.6 થી 23.4 મીટર

આસણા નજીક મિંઢોળા બ્રિજ

લંબાઇ - 240 મીટર

ફૂલ સ્પાન ગર્ડર - 6

પાયર્સ - 10 થી 15 મીટર

हरिभूमि

रोहतक - मुख्य संस्करण
Date 3 July 2023

तैयारी छह महीने में 24 पुलों में से चार का निर्माण, पहला चरण 2026 में शुरू होने की संभावना

गुजरात में बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य जोरों पर, नवसारी में एक महीने में बने तीन नदी पुल

भाषा ▶▶| अहमदाबाद

बुलेट ट्रेन परियोजना के नाम से मशहूर मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) का काम देख रहे अधिकारियों का कहना है कि कार्य तेजी से चल रहा है और उन्होंने गुजरात में एक महीने में तीन नदी पुलों का निर्माण किए जाने की जानकारी दी। हाई स्पीड कोरिडोर का निर्माण कर रहे राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों का कहना है कि पिछले छह महीने में 24 पुलों में से चार का निर्माण किया जा चुका है। एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इन चार में से तीन पुलों का निर्माण एक महीने में नवसारी जिले में किया गया है, जो कि हाई स्पीड रूट पर बिलिमोरा और सूरत स्टेशन के बीच स्थित है। बता दें कि इस कॉरिडोर पर 24 नदी पुल हैं, जिसमें से 20 गुजरात और बाकी बचे हुए 4 पुल महाराष्ट्र में हैं।

- पहला पुल पूर्णा नदी पर, दूसरा मिन्धोला नदी पर और तीसरा पुल अंबिका नदी पर बनाया
- प्रबंध निदेशक राजेंद्र बोले पुलों के निर्माण के लिए कुशल योजना की जरूरत होती
- मिन्धोला-पूर्णा नदी पर पुलों के निर्माण के दौरान अरब सागर की लहरों पर नजर रखी गई

नर्मदा नदी पर 1.2 किलोमीटर का सबसे लंबा पुल

भारतीय रेलवे की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएचएसआरसीएल का कहना है कि पहला पुल पूर्णा नदी पर, दूसरा मिन्धोला नदी पर और तीसरा पुल अंबिका नदी पर बनाया गया है। एमएएचएसआर कॉरिडोर ने काफी प्रगति की है क्योंकि पिछले एक महीने में तीन नदी पुल बनकर तैयार हो चुके हैं। गुजरात में सबसे लंबा नदी पुल 1.2 किलोमीटर का है और इसे नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है। गलियारे का सबसे लंबा नदी पुल महाराष्ट्र में 2.28 किमी का है, जिसे वैतरणा नदी पर बनाया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद का कहना है कि नदियों पर पुलों के निर्माण के लिए कुशल योजना की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि मिन्धोला व पूर्णा नदी पर पुलों के निर्माण के दौरान अरब सागर की लहरों पर करीब से नजर रखी गई थी।

पुल की नींव चुनौतीपूर्ण थी

अंबिका नदी पर पुल के निर्माण के लिए हमारे इंजीनियरों ने 26 मीटर की ऊंचाई से काम किया। एनएचएस आरसीएल का कहना है कि पूर्णा नदी पर बना पुल 360 मीटर लंबा है और इसके निर्माण के दौरान अरब सागर में उच्च और निम्न ज्वार पर लगातार निगरानी की जरूरत थी। पुल की नींव रखने का काम भी काफी चुनौतीपूर्ण था। मिन्धोला नदी पर 240 मीटर लंबे पुल के निर्माण के लिए अरब सागर में उच्च और निम्न ज्वार पर नजर रखी गई। अंबिका नदी पर 200 मीटर लंबे पुल के लिए नदी तट के तीव्र ढलान ने चुनौती पैदा की थी। गुजरात में आठ हाई स्पीड रेल स्टेशन वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती पर निर्माण कार्य अलग-अलग चरणों में चल रहा है। एनएचएसआरसीएल का कहना है कि परियोजना का पहला चरण वर्ष 2026 में शुरू होने की संभावना है।

HINDUSTAN, Agra, 3.7.2023
Page No. 2, Size:(6.14)cms X (2.46)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजनाः एक माह में बने तीन नदी पुल

अहमदाबाद। बुलेट ट्रेन परियोजना के नाम से मशहूर मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) का काम देख रहे अधिकारियों का कहना है कि कार्य तेजी से चल रहा है। गुजरात में एक महीने में तीन नदी पुलों का निर्माण किया जा गया। पिछले छह महीने में 24 पुलों में से चार का निर्माण किया जा चुका है। इन चार में से तीन का निर्माण एक महीने में नवसारी जिले में किया गया है, जो कि हाई स्पीड रूट पर बिलिमोरा और सूरत स्टेशन के बीच स्थित है।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Mumbai, 3.7.2023
Page No. 2, Size:(16.13)cms X (8.37)cms.

परियोजना : मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर पर महाराष्ट्र में चार और गुजरात में 20 पुल बनाए जाएंगे

वैतरणा नदी पर बनेगा बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का सबसे लंबा पुल

टेंडर प्रक्रिया के तहत सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी के कागजात की जांच जारी

सुजीत गुप्ता | मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआरसी) बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत हाई स्पीड कॉरिडोर पर कुल 24 पुल बनाए जाएंगे। इनमें 4 पुल महाराष्ट्र जबकि 20 गुजरात में होंगे। खास यह कि इस कॉरिडोर पर बन रहे 24 पुलों में से महाराष्ट्र के वैतरणा नदी पर बनाया जाने वाला पुल सबसे लंबा होगा। इस पुल की लंबाई 2.28 किमी होगी। गुजरात में नर्मदा नदी पर 1.2 किमी लंबा पुल बनाया जा रहा है।

एमएएचएसआरसी परियोजना की स्थिति

- » पाइलः 305.9 किमी
- » फाउंडेशनः 251.2 किमी
- » पियरः 208.9 किमी
- » वायाडक्टः 69.3 किमी

जापान में होगा फैसला

वैतरणा नदी पर बनने वाले पुल का टेंडर ओपन हो चुका है। एल एंड टी कंपनी ने सबसे कम बोली लगाई है। बुलेट ट्रेन परियोजना की फंडिंग जापान के जायका से हो रही है। इसलिए टेंडर से जुड़े कागजातों की जांच जापान में होगी। सब कुछ ठीक रहा तो 15 से 20 दिनों में कंपनी को टेंडर मिल सकता है।

पुल बनाना चुनौतीपूर्ण

एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि नदियों पर पुलों का निर्माण बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। इसके लिए सूक्ष्म योजना की आवश्यकता होती है। मिंधोला और पूर्णा नदियों पर पुलों के निर्माण के दौरान, अरब सागर से आने वाली लहरों के प्रवाह पर विशेष ध्यान रखा गया। हमारे इंजीनियरों ने अंबिका नदी पर पुल निर्माण के लिए लगभग 26 मीटर की ऊंचाई पर काम किया।

छह महीने में बने चार पुल

बीते छह महीने में इस कॉरिडोर के लिए 4 नदी पुल बनाए गए हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन (एनएचएसआरसीएल) ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए एक महीने में तीन पुल बनाए हैं। पहला पुल गुजरात के नवसारी में पूर्णा नदी पर बना है, जो 360 मीटर लंबा है।

कितना हुआ परियोजना का काम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसके तहत अहमदाबाद-मुंबई के बीच 508 किमी लंबी हाई स्पीड रेलवे लाइन बिछाई जाएगी। 1.10 लाख करोड़ रुपए लागत वाली इस परियोजना का 90 प्रतिशत वित्त पोषण जापान की संस्था कर रही है। बुलेट ट्रेन मार्ग का 156 किमी हिस्सा महाराष्ट्र जबकि 352 किमी गुजरात में है। 31 मार्च 2023 तक के आकड़ों के मुताबिक परियोजना का काम 30 प्रतिशत से ज्यादा हो चुका है।

RASHTRIYA SAHARA, Kanpur, 3.7.2023
Page No. 11, Size:(2.33)cms X (5.90)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना में एक महीने में तीन नदी पर पुलों का निर्माण

नई दिल्ली (एसएनबी)। बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत एनएचएसआरसीएल ने मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर के लिए एक महीने में तीन नदी पुलों का निर्माण किया है। यह तीनों पुल गुजरात में पूर्णा, मिंधोला और अंबिका नदी पर नवसारी जिले में किया गया।

एनएचएसआरसीएल गत छह महीनों में कॉरिडोर के लिए चार नदी पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है। गुजरात और महाराष्ट्र पर कुल 24 नदी पुल हैं, जिनमें से 20 गुजरात और 04 महाराष्ट्र में है। गुजरात में 1.2 किलोमीटर का सबसे लंबा नदी पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है और महाराष्ट्र में 2.28 किलोमीटर का सबसे लंबा पुल वैतरणा नदी पर बनाया जाएगा। एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि नदियों पर पुलों का निर्माण बहुत ही चुनौतीपूर्ण है और इसके लिए सूक्ष्म योजना की आवश्यकता होती है। मिंधोला और पूर्णा नदियों पर पुलों के निर्माण के दौरान अरब सागर से आने वाली टाइडल लहरों के प्रवाह पर विशेष ध्यान रखा गया।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

RASHTRIYA SAHARA, Patna, 3.7.2023
Page No. 9, Size:(10.94)cms X (15.44)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना में एक महीने में तीन नदी पर पुलों का निर्माण

नई दिल्ली (एसएनबी)। बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत एनएचएसआरसीएल ने मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर के लिए एक महीने में तीन नदी पुलों का निर्माण किया है। यह तीनों पुल गुजरात में पूर्णा, मिंधोला और अंबिका नदी पर नवसारी जिले में किया गया।

एनएचएसआरसीएल गत छह महीनों में कॉरिडोर के लिए चार नदी पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है। गुजरात और महाराष्ट्र पर कुल 24 नदी पुल हैं, जिनमें से 20 गुजरात और 04 महाराष्ट्र में है। गुजरात में 1.2 किलोमीटर का सबसे लंबा नदी पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है और महाराष्ट्र में 2.28 किलोमीटर का सबसे लंबा पुल वैतरणा नदी पर बनाया जाएगा। एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि नदियों पर पुलों का निर्माण बहुत ही चुनौतीपूर्ण है और इसके लिए सूक्ष्म योजना की आवश्यकता होती है। मिंधोला और पूर्णा नदियों पर पुलों के निर्माण के दौरान अरब सागर से आने वाली टाइडल लहरों के प्रवाह पर विशेष ध्यान रखा गया।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Amritsar, 3.7.2023
Page No. 10, Size:(12.92)cms X (13.96)cms.

गुजरातः बुलेट ट्रेन ट्रैक निर्माण की रफ्तार तेज

नवसारी | गुजरात के अहमदाबाद से महाराष्ट्र के मुंबई तक बन रहे बुलेट ट्रेन ट्रैक का निर्माण काम तेजी से चल रहा है। गुजरात के नवसारी में अंबिका नदी पर बुलेट ट्रेन ट्रैक का पुल बनकर तैयार हो गया है। दिलचस्प बात ये है कि नवसारी में जून महीने में बुलेट परियोजना का पूर्ण हुआ यह तीसरा पुल है। इससे पहले पूर्णा नदी पर आमडपोर-मोलधरा गांव के मींढोला नदी पर और आसना गांव के पास भी बुलेट ट्रैक के पुल का निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा की गई थी। गुजरात-महाराष्ट्र के बुलेट ट्रेन ट्रैक पर 24 ब्रिज बनने हैं।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Ranchi, 3.7.2023
Page No. 14, Size:(13.84)cms X (16.93)cms.

गुजरातः बुलेट ट्रेन ट्रैक निर्माण की रफ्तार तेज

नवसारी | गुजरात के अहमदाबाद से महाराष्ट्र के मुंबई तक बन रहे बुलेट ट्रेन ट्रैक का निर्माण काम तेजी से चल रहा है। गुजरात के नवसारी में अंबिका नदी पर बुलेट ट्रेन ट्रैक का पुल बनकर तैयार हो गया है। दिलचस्प बात ये है कि नवसारी में जून महीने में बुलेट परियोजना का पूर्ण हुआ यह तीसरा पुल है। इससे पहले पूर्णा नदी पर आमडपोर-मोलधरा गांव के मींढोला नदी पर और आसना गांव के पास भी बुलेट ट्रैक के पुल का निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा की गई थी। गुजरात-महाराष्ट्र के बुलेट ट्रेन ट्रैक पर 24 ब्रिज बनने हैं।

DAINIK BHASKAR, Raipur, 3.7.2023
Page No. 16, Size:(9.59)cms X (14.84)cms.

गुजरातः बुलेट ट्रेन ट्रैक निर्माण की रफ्तार तेज

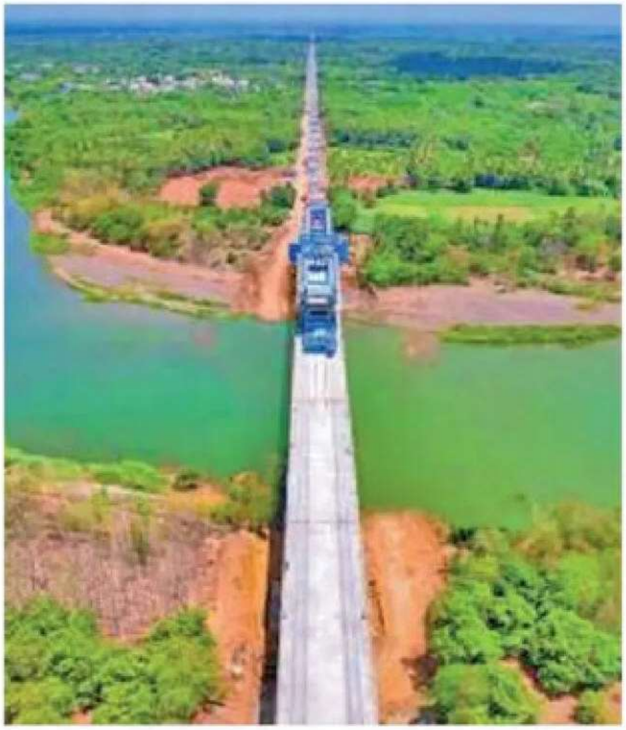

नवसारी | गुजरात के अहमदाबाद से महाराष्ट्र के मुंबई तक बन रहे बुलेट ट्रेन ट्रैक का निर्माण काम तेजी से चल रहा है। गुजरात के नवसारी में अंबिका नदी पर बुलेट ट्रेन ट्रैक का पुल बनकर तैयार हो गया है। दिलचस्प बात ये है कि नवसारी में जून महीने में बुलेट परियोजना का पूर्ण हुआ यह तीसरा पुल है। इससे पहले पूर्णा नदी पर आमडपोर-मोलधरा गांव के मींढोला नदी पर और आसना गांव के पास भी बुलेट ट्रैक के पुल का निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा की गई थी। गुजरात-महाराष्ट्र के बुलेट ट्रेन ट्रैक पर 24 ब्रिज बनने हैं।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

RASHTRIYA SAHARA, Dehradun, 3.7.2023
Page No. 8, Size:(10.94)cms X (15.44)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना में एक महीने में तीन नदी पर पुलों का निर्माण

नई दिल्ली (एसएनबी)। बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत एनएचएसआरसीएल ने मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर के लिए एक महीने में तीन नदी पुलों का निर्माण किया है। यह तीनों पुल गुजरात में पूर्णा, मिंधोला और अंबिका नदी पर नवसारी जिले में किया गया।

एनएचएसआरसीएल गत छह महीनों में कॉरिडोर के लिए चार नदी पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है। गुजरात और महाराष्ट्र पर कुल 24 नदी पुल हैं, जिनमें से 20 गुजरात और 04 महाराष्ट्र में है। गुजरात में 1.2 किलोमीटर का सबसे लंबा नदी पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है और महाराष्ट्र में 2.28 किलोमीटर का सबसे लंबा पुल वैतरणा नदी पर बनाया जाएगा। एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि नदियों पर पुलों का निर्माण बहुत ही चुनौतीपूर्ण है और इसके लिए सूक्ष्म योजना की आवश्यकता होती है। मिंधोला और पूर्णा नदियों पर पुलों के निर्माण के दौरान अरब सागर से आने वाली टाइडल लहरों के प्रवाह पर विशेष ध्यान रखा गया।

HITAVADA, Nagpur, 3.7.2023
Page No. 10, Size:(20.88)cms X (10.56)cms.

Bullet train project work progresses in Gujarat

AHMEDABAD, July 2 (PTI)

OFFICIALS overseeing the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor, popularly called the bullet train project, said work was progressing swiftly and cited the construction of three river bridges in one month in Gujarat.

Officials of the National High Speed Rail Corridor, which is constructing the high speed corridor, said four out of the 24 bridges have been built in the past six months. "Of these four, we have managed to build three bridges, situated between Bilimora and Surat stations on the HSR route, in Navsari district in one month. There are 24 river bridges on the corridor, 20 of which are in Gujarat and the rest in Maharashtra," the NHSRCL said in a release.

Aerial view of a bridge constructed by NHSRCL for Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor, on Sunday. (ANI)

"The first bridge was completed on Purna river, the second on Mindhola rover and the third on Ambika river. The MAHSR corridor has made significant progress as three river bridges have been completed in the last one month," said the NHSRCL, a wholly owned subsidiary of the Indian Railways.

The longest river bridge in Gujarat is 1.2 kilometres long and is being constructed on Narmada river, while the longest bridge in Maharashtra is a 2.28 kilometre one being built on Vaitarna river, the NHSRCL said.

DAINIK BHASKAR, Bhopal, 3.7.2023
Page No. 18, Size:(15.45)cms X (16.63)cms.

गुजरातः बुलेट ट्रेन ट्रैक निर्माण की रफ्तार तेज

नवसारी | गुजरात के अहमदाबाद से महाराष्ट्र के मुंबई तक बन रहे बुलेट ट्रेन ट्रैक का निर्माण काम तेजी से चल रहा है। गुजरात के नवसारी में अंबिका नदी पर बुलेट ट्रेन ट्रैक का पुल बनकर तैयार हो गया है। दिलचस्प बात ये है कि नवसारी में जून महीने में बुलेट परियोजना का पूर्ण हुआ यह तीसरा पुल है। इससे पहले पूर्णा नदी पर आमडपोर-मोलधरा गांव के मींढोला नदी पर और आसना गांव के पास भी बुलेट ट्रैक के पुल का निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा की गई थी। गुजरात-महाराष्ट्र के बुलेट ट्रेन ट्रैक पर 24 ब्रिज बनने हैं।

RAJASTHAN PATRIKA, Jaipur, 3.7.2023
Page No. 8, Size:(21.87)cms X (30.94)cms.

निर्माण | **परियोजना का पहला फेज 2026 में शुरू होने की उम्मीद**

बुलेट ट्रेन: 1 माह में बने 3 नदी पुल

अहमदाबाद-मुंबई के बीच 320 किमी की रफ्तार से होगा सफर

बुलेट ट्रेन परियोजना पर प्रगति हो रही है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एक विज्ञप्ति में बताया है कि पिछले महीने तीन नदी पुलों का निर्माण किया गया है। पहला पुल पूर्णा नदी पर, दूसरा मिंढोला रिवर पर और तीसरा अंबिका नदी पर पूरा हुआ। पिछले छह महीनों में बनाए गए पुलों की कुल संख्या 4 हो गई है। गुजरात में सबसे लंबा 1.2 किमी का पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है, महाराष्ट्र में सबसे लंबा 2.28 किमी का पुल वैतरणा नदी पर है। कॉरिडोर में 24 पुल हैं, जिसमें से 20 गुजरात में हैं बाकी महाराष्ट्र में हैं।

उदय पटेल, राजेश भटनागर
patrika.com

अहमदाबाद. देश में अहमदाबाद और मुंबई के बीच पहली बुलेट ट्रेन या मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) पर काम तेजी से चल रहा है। हाई स्पीड कॉरिडोर का निर्माण कर रहे नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर ने कहा है कि गुजरात के नवसारी जिले में एचएसआर मार्ग पर बिलिमोरा और सूरत स्टेशनों के बीच तीन नदी पुल पिछले एक माह में बनाए गए हैं। बुलेट ट्रेन परियोजना का पहला चरण 2026 में शुरू होने की उम्मीद है।

25 हजार से ज्यादा श्रमिक-कार्मिक लगे

गुजरात के साथ-साथ महाराष्ट्र और केंद्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली में फैले इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को लेकर काम जोर-शोर से जारी है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से दिन-रात काम जारी है। 25 हजार से ज्यादा लोग काम में लगे हुए हैं।

508 किमी का सफर, 2 घंटे में तय होगा

बुलेट ट्रेन साबरमती से मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स तक 508.17 किमी दूरी तय करेगी। सीमित पड़ाव के साथ यह सफर 2.07 घंटे में वहीं सभी पड़ाव के साथ 2.58 घंटे में पूरा होगा।

1 लाख करोड़ की आएगी लागत

जापान की मदद से चल रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत एक लाख करोड़ से ज्यादा की आएगी। इसमें जापान ने काफी कम ब्याज दर पर भारत को ऋण मुहैया कराया है।

348 किमी गुजरात में, महाराष्ट्र में 156 किमी दौड़ेगी

अधिकतम 320 किमी प्रति घंटा की रफ्तार वाली ट्रेन गुजरात में 348 किमी तथा महाराष्ट्र में 156 किमी की दूरी तय करेगी। दादरा और नगर हवेली में 4 किलोमीटर का सफर रहेगा। गुजरात तथा दादरा और नगर हवेली में यह एलिवेटेड हाई स्पीड रेल (एचएसआर) ट्रैक के रूप में रहेगा।

फैक्ट-फाइल

- ***12 एचएसआर स्टेशन होंगे...*** बुलेट ट्रेन के रूट पर 12 एचएसआर स्टेशन साबरमती, अहमदाबाद, आणंद-नडियाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी, बोईसर, ठाणे, विरार और मुंबई शामिल हैं।
- ***सूरत व बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन...*** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कह चुके हैं कि वर्ष 2026 तक सूरत व बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन के ट्रायल की योजना है। वहीं 2027 में साबरमती से वापी तक गुजरात के हिस्से में बुलेट ट्रेन चलने की संभावना है।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

RAJASTHAN PATRIKA, Delhi, 3.7.2023
Page No. 9, Size:(21.87)cms X (30.94)cms.

निर्माण | परियोजना का पहला फेज 2026 में शुरू होने की उम्मीद

बुलेट ट्रेन: 1 माह में बने 3 नदी पुल

अहमदाबाद-मुंबई के बीच 320 किमी की रफ्तार से होगा सफर

बुलेट ट्रेन परियोजना पर प्रगति हो रही है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एक विज्ञप्ति में बताया है कि पिछले महीने तीन नदी पुलों का निर्माण किया गया है। पहला पुल पूर्णा नदी पर, दूसरा मिंढोला रिवर पर और तीसरा अंबिका नदी पर पूरा हुआ। पिछले छह महीनों में बनाए गए पुलों की कुल संख्या 4 हो गई है। गुजरात में सबसे लंबा 1.2 किमी का पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है, महाराष्ट्र में सबसे लंबा 2.28 किमी का पुल वैतरणा नदी पर है। कॉरिडोर में 24 पुल हैं, जिसमें से 20 गुजरात में हैं बाकी महाराष्ट्र में हैं।

उदय पटेल, राजेश भटनागर
patrika.com

अहमदाबाद. देश में अहमदाबाद और मुंबई के बीच पहली बुलेट ट्रेन या मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) पर काम तेजी से चल रहा है। हाई स्पीड कॉरिडोर का निर्माण कर रहे नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर ने कहा है कि गुजरात के नवसारी जिले में एचएसआर मार्ग पर बिलिमोरा और सूरत स्टेशनों के बीच तीन नदी पुल पिछले एक माह में बनाए गए हैं। बुलेट ट्रेन परियोजना का पहला चरण 2026 में शुरू होने की उम्मीद है।

25 हजार से ज्यादा श्रमिक-कार्मिक लगे

गुजरात के साथ-साथ महाराष्ट्र और केंद्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली में फैले इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को लेकर काम जोर-शोर से जारी है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से दिन-रात काम जारी है। 25 हजार से ज्यादा लोग काम में लगे हुए हैं।

508 किमी का सफर, 2 घंटे में तय होगा

बुलेट ट्रेन साबरमती से मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स तक 508.17 किमी दूरी तय करेगी। सीमित पड़ाव के साथ यह सफर 2.07 घंटे में वहीं सभी पड़ाव के साथ 2.58 घंटे में पूरा होगा।

1 लाख करोड़ की आएगी लागत

जापान की मदद से चल रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत एक लाख करोड़ से ज्यादा की आएगी। इसमें जापान ने काफी कम ब्याज दर पर भारत को ऋण मुहैया कराया है।

348 किमी गुजरात में, महाराष्ट्र में 156 किमी दौड़ेगी

अधिकतम 320 किमी प्रति घंटा की रफ्तार वाली ट्रेन गुजरात में 348 किमी तथा महाराष्ट्र में 156 किमी की दूरी तय करेगी। दादरा और नगर हवेली में 4 किलोमीटर का सफर रहेगा। गुजरात तथा दादरा और नगर हवेली में यह एलिवेटेड हाई स्पीड रेल (एचएसआर) ट्रैक के रूप में रहेगा।

फैक्ट-फाइल

- ***12 एचएसआर स्टेशन होंगे...*** बुलेट ट्रेन के रूट पर 12 एचएसआर स्टेशन साबरमती, अहमदाबाद, आणंद-नडियाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी, बोईसर, ठाणे, विरार और मुंबई शामिल हैं।
- ***सूरत व बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन...*** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कह चुके हैं कि वर्ष 2026 तक सूरत व बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन के ट्रायल की योजना है। वहीं 2027 में साबरमती से वापी तक गुजरात के हिस्से में बुलेट ट्रेन चलने की संभावना है।

RAJASTHAN PATRIKA, Bengaluru, 3.7.2023
Page No. 12, Size:(21.87)cms X (30.94)cms.

बुलेट ट्रेन: 1 माह में बने 3 नदी पुल

अहमदाबाद-मुंबई के बीच 320 किमी की रफ्तार से होगा सफर

पत्रिका रीडर्स फेस्ट
1 जुलाई से 15 अगस्त 2023

बुलेट ट्रेन परियोजना पर प्रगति हो रही है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एक विज्ञप्ति में बताया है कि पिछले महीने तीन नदी पुलों का निर्माण किया गया है। पहला पुल पूर्णा नदी पर, दूसरा मिंढोला रिवर पर और तीसरा अंबिका नदी पर पूरा हुआ। पिछले छह महीनों में बनाए गए पुलों की कुल संख्या 4 हो गई है। गुजरात में सबसे लंबा 1.2 किमी का पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है, महाराष्ट्र में सबसे लंबा 2.28 किमी का पुल वैतरणा नदी पर है। कॉरिडोर में 24 पुल हैं, जिसमें से 20 गुजरात में हैं बाकी महाराष्ट्र में हैं।

RAJASTHAN PATRIKA, Bhopal, 3.7.2023
Page No. 18, Size:(21.87)cms X (30.94)cms.

बुलेट ट्रेन: 1 माह में बने 3 नदी पुल

अहमदाबाद-मुंबई के बीच 320 किमी की रफ्तार से होगा सफर

बुलेट ट्रेन परियोजना पर प्रगति हो रही है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एक विज्ञप्ति में बताया है कि पिछले महीने तीन नदी पुलों का निर्माण किया गया है। पहला पुल पूर्णा नदी पर, दूसरा मिंढोला रिवर पर और तीसरा अंबिका नदी पर पूरा हुआ। पिछले छह महीनों में बनाए गए पुलों की कुल संख्या 4 हो गई है। गुजरात में सबसे लंबा 1.2 किमी का पुल नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है, महाराष्ट्र में सबसे लंबा 2.28 किमी का पुल वैतरणा नदी पर है। कॉरिडोर में 24 पुल हैं, जिसमें से 20 गुजरात में हैं बाकी महाराष्ट्र में हैं।